भाखड़ा ब्यास प्रबन्ध बोर्ड सचिवालय
सेक्टर 19-बी, चण्डीगढ़-160 019

विषयः भाखड़ा ब्यास प्रबन्ध बोर्ड में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन।

चण्डीगढ़ : भाखड़ा ब्यास प्रबन्ध बोर्ड सचिवालय में संघ की राजभाषा नीति के सफल कार्यान्वयन हेतु वरिष्ठ अधिकारियों को प्रेरित करने के लिए एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में अध्यक्ष, बीबीएमबी, श्री आनन्द बिहारी अग्रवाल मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर श्री एम.के. गुप्ता, सदस्य (सिंचाई), बीबीएमबी , श्री वी.बी. बस्सी, सदस्य (विद्युत), बीबीएमबी, श्री एच.के. गुप्ता, सचिव, बीबीएमबी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यशाला के आरम्भ में श्री वी.पी. शर्मा, संयुक्त निदेशक, जन सम्पर्क ने एक प्रस्तुति के माध्यम से भाखड़ा ब्यास प्रबन्ध बोर्ड में राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के संबंध में बोर्ड द्वारा अर्जित प्रगति का संक्षिप्त ब्यौरा दिया।

इंजी. आनन्द बिहारी अग्रवाल, अध्यक्ष, बीबीएमबी ने अपने संबोधन में कहा कि बीबीएमबी में पिछले डेढ़ दशक में हिन्दी के कार्यान्वयन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है और यह प्रगति यात्रा आगे भी जारी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें किसी दबाव या मजबूरीवश नहीं बल्कि अपनी इच्छा से राष्ट्रभाषा को अपनाना चाहिए। उन्होंने सभी अधिकारियों का आह्वान किया कि वे अपने प्रशासनाधीन राजभाषा अधिनियम के विभिन्न उपबन्धों के कार्यान्वयन पर विशेष ध्यान दें और राजभाषा विभाग द्वारा जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु भरसक प्रयास करें। उन्होंने आगे कहा कि हमें रोजमर्रा के सरकारी काम-काज में हिंदी का प्रयोग करते समय प्रचलित अंग्रेजी शब्दों के प्रयोग से परहेज नहीं करना चाहिए। उन्होंने कार्यशाला के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विशेष बल दिया कि आगे भी इसी प्रकार के आयोजन जारी रखे जाएं।

कार्यशाला में प्रख्यात साहित्यकार, श्री माधव कौशिक ने भूमण्डलीकरण के दौर में हिंदी के योगदान पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला में श्रीमती सावित्री फौगाट, हिंदी अधिकारी, बीबीएमबी ने संघ की राजभाषा नीति के बारे में प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण जानकारी दी और श्री संतराम, सहायक निदेशक (राजभाषा), हिंदी शिक्षण योजना ने राजभाषा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

इसके अतिरिक्त इस कार्यशाला में श्री अशोक गुप्ता, ईडीपी मैनेजर, बीबीएमबी ने कम्प्यूटर और हिंदी विषय पर प्रतिभागियों को उपयोगी जानकारी दी।

कार्यशाला में बीबीएमबी के अधिकारियों तथा वरिष्ठ सहायक स्तर के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।